# 2016

( 3rd Semester )

## HINDI

( Modern Indian Language )

Paper No. : HIN (MIL)–301

*Full Marks* : 70 *Pass Marks* : 45%

*Time* : 3 hours

## ( PART : B—DESCRIPTIVE )

( *Marks* : 45 )

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9×2=18

(क) बिनु गुपाल बैरिन भई कुंजैं।
तब वे लता लगति अति सीतल,
अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं॥
वृथा बहति जमुना खग बोलत
वृथा कमल-फूलनि अलि गुंजैं।
पवन, पान, घनसार, सजीवन,
दधि-सुत किरनि भानु भई भुंजैं॥

अथवा

यह गीत सुबह का है, गाकर देखें,
यह गीत ग़ज़ब का है, ढाकर देखें,
यह गीत ज़रा सूने में लिक्खा था,
यह गीत वहाँ पूने में लिक्खा था,
यह गीत पहाड़ी पर चढ़ जाता है,
यह गीत बढ़ाये से बढ़ जाता है!

(ख) क्रोध में कुछ कठोर बातें भी कही और यदि वंशीधर वहाँ से टल न जाते तो अवश्य ही यह क्रोध विकट रूप धारण करता। वृद्ध माता को भी दुःख हुआ। जगन्नाथ और रामेश्वर यात्रा की कामनाएँ मिट्टी में मिल गईं। पत्नी ने तो कई दिन तक सीधे मुँह से बात भी नहीं की।

अथवा

संपादकों के अलावा रचनात्मक प्रतिभा की क्षीण सरिता का जल पी जाने वाले प्रकाशकगण हैं। उन्हें आलोचना से अधिक साहित्य के अन्य किसी अंग में रुचि ही नहीं है। कोई नई पुस्तक न मिले तो लेखों का संग्रह ही छापने को तैयार हैं। कई पुस्तकें जिनका श्रीगणेश भी नहीं हुआ, उनकी कृपा से इतनी ज्ञापित हो चुकी हैं कि उन्हें आगे-पीछे लिखे बिना निस्तार नहीं।

2. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' निबंध की समीक्षा कीजिए। 9

अथवा

'मुगलों ने सल्तनत बख्श दी' कहानी के मूल उद्देश्य को प्रकाशित कीजिए।

3. 'विनय-पत्रिका' के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास के विचार पर प्रकाश डालिए। 9

अथवा

नागार्जुन की कविता 'कालिदास' को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित अवतरण का उपयुक्त शीर्षक के साथ संक्षेपण कीजिए : 9

मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है। वह चाहे तो आकाश के तारे तोड़ ले, चाहे तो पृथ्वी के वक्षस्थल को फोड़कर पाताल लोक में प्रवेश कर जाय और चाहे तो प्रकृति को खाक बनाकर उड़ा दे। उसका भविष्य उसकी मुट्ठी में है। प्रयत्न करने पर वह सब कुछ कर सकता है। ये समस्त बातें हम अतीत काल से सुनते चले आ रहे है और इन्हीं बातों को सोचकर हम कर्मरत होते हैं परंतु अचानक ही मन में यह विचार आ जाता है कि क्या हम जो कुछ करते हैं वह हमारे वश की बात है? क्या निरंतर प्रयत्न करने पर हम जो चाहें वह होता है? कई बार ऐसा नहीं होता क्योंकि हम कर्म करते हैं परंतु फल कहीं और होता है। कार्य हम करते हैं और फल ईश्वर देता है। यह भाग्यवादी विचारधारा कही जाय या आस्तिक विचारधारा परंतु इसमें किंचित मात्र भी संदेह नहीं कि बड़े-बड़े नास्तिक भी एक दिन ऐसा आता है जब भाग्यवादी बन जाते हैं। जब काल अपना विकराल मुख फाड़े हुए सामने आता है तो करोड़ों व्यक्तियों को मौत के बंधन से बचानेवाला डॉक्टर भी उसके आगे नतमस्तक हो जाता हैं।

* * *

**2016**

( 3rd Semester )

## HINDI

( Modern Indian Language )

Paper No. : HIN (MIL)–301

( PART : A—OBJECTIVE )

( *Marks* : 25 )

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

SECTION—I

( *Marks* : 5 )

निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प के सामने सही (✓) का चिह्न लगाइए : 1×5=5

1. ''हम सरकारी हुक्म को नहीं जानते और न सरकार को।'' यह किसका कथन है?

   (क) वंशीधर ( )

   (ख) पं० अलोपीदीन ( )

   (ग) वंशीधर का पिता ( )

2. ''वेसलीन! लेकिन वेसलीन तो दवा नहीं होती।'' यह किसका कथन है?

(क) मनोहर ( )

(ख) वंशीधर ( )

(ग) अलोपीदीन ( )

3. 'हारिल की लकरी' किसे कहा गया है?

(क) राम को ( )

(ख) विष्णु को ( )

(ग) कृष्ण को ( )

4. ''गोधन, गजधन, बाजिधन और रतनधन खानि।'' यह पंक्ति कहाँ से ली गई है?

(क) विनय-पत्रिका ( )

(ख) सूक्तियाँ ( )

(ग) भ्रमरगीत ( )

5. 'नये वर्ष के शुभ संकल्प' के लेखक कौन हैं?

(क) रामविलास शर्मा ( )

(ख) शरद जोशी ( )

(ग) महादेवी वर्मा ( )

SECTION—II

( *Marks* : 10 )

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5=10

1. हीरोजी के विषय में लिखिए।

**2.** वंशीधर के विचार क्या हैं? लिखिए।

**3.** 'इंद्री सिथिल' किसके बिना तथा क्यों होती है?

4. मास्टर रुद्रनारायण ड्राइंग के अलावा और क्या-क्या सिखाते थे?

5. 'गीत फरोश' कविता में कवि ने क्या बात बताया है?

6. कवि ने निंदक को नजदीक रखने की बात क्यों कहा है?

7. 'पतित पावन राम नाम सो न दूसरो' का भाव बहुत थोड़े में लिखिए।

## SECTION—III

( *Marks* : 10 )

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : ½×4=2

आकर्षण ; सूक्ष्म ; यश ; आदर ; आकाश ; उच्चतम ; आधार

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1×3=3

पानी ; धरती ; अग्नि ; दिन ; पर्वत ; पुस्तक

* * *

**3.** वाक्य-प्रयोग द्वारा निम्नलिखित में से किन्हीं तीन मुहावरों के अर्थ स्पष्ट कीजिए : 1×3=3

श्रीगणेश करना ; पापड़ बेलना ; टें बोलना ; नाक का बाल होना ; घी के दीये जलाना

**4.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए : 1×2=2

इया ; एरा ; औना ; ऐत ; आरी

* * *